भूलेगा नहीं बिहार

जंगलराज का अत्याचार

भ्रष्टाचार खुलेआम

अपराध बेलगाम

परिवारवाद

बहन बेटियों का अपमान

बिहार का किया बंटाधार

सनातन पर प्रहार

भ्रष्टाचार खुलेआम

- चारा घोटाले में **950 करोड़ रुपये** की लूट—गरीबों का पैसा लालू परिवार के खाते में गया।
- **'जमीन के बदले नौकरी'** घोटाले में गरीबों की जमीन हड़पकर लालू परिवार ने संपत्ति बनाई।
- **आईआरसीटीसी होटल घोटाले** में रेलवे के होटल बेचकर पटना में करोड़ों की जमीन कब्जाई।
- लालू राज में बिहार में **चारा घोटाला**, जमीन के बदले नौकरी, आईआरसीटीसी घोटाला, बिटुमिन घोटाला जैसे कई अनेक घोटालों से लालू परिवार ने संपत्ति खड़ी की।
- पर्यावरण मंत्री रहते हुए लालू यादव के बड़े बटे तेज प्रताप यादव ने पटना **चिड़ियाघर मिट्टी घोटाले** में बिना टेंडर के **90 लाख की लूट** मचाई।
- अलकतरा घोटाले में सड़क निर्माण के नाम पर पैसा हड़पा गया, लेकिन **सड़कों पर गड्ढे** ही रह गए।

अपराध बेलगाम

- 1990-2005 के दौरान बिहार में अपहरण एक उद्योग बन गया था। व्यापारियों और डॉक्टरों का खुलेआम अपहरण होता था। 15 सालों में **32,000+ अपहरण और 18,000+ हत्याएँ** हुईं।
- अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिलता था, जिससे **शहाबुद्दीन, रीत लाल यादव, सुरेंद्र यादव, तस्लीमुद्दीन, पप्पू यादव** जैसे अपराधियों को सांसद-विधायक बनाया गया।
- 2002 में लालू की बेटी की शादी में पटना के व्यापारियों से सरेआम जबरन लूट हुई। **45 गाड़ियाँ, फर्नीचर और कपड़े** तक छीन लिए गए।
- भागलपुर में किसलय और दीपक नामक बच्चों का अपहरण हो गया। तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को रैली तक में कहना पड़ा—**"मुझे मेरे बच्चे लौटा दो।"**

बिहार का किया बंटाधार

- 2005 में जहाँ भारत की **GDP वृद्धि दर 8% थी,** वहीं बिहार सिर्फ **0.9% पर ठहरा हुआ** था।
- लालू-राबड़ी के शासन में बिहार की अधिकतर **चीनी मिलें बंद** हुईं, किसानों की आजीविका छीनी गई।
- 1991 से 2001 के बीच लाखों बिहारी रोजगार की तलाश में राज्य छोड़ने को मजबूर हुए।
- 90 के दशक में पटना और अन्य शहरों से **मारवाड़ी व्यापारी** डर के कारण **बिहार छोड़कर चले गए**।
- 2005 में बिहार में **65:1 शिक्षक-छात्र अनुपात**, स्कूलों में शिक्षा की हालत खराब थी।
- लालू के दौर में सड़कों पर गड्ढे, पुलों के अभाव में लोगों को **तैरकर नदी पार** करनी पड़ती थी।
- 2001 में बिहार के **37 में से 34 जिले सूखे से प्रभावित** थे, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया।

बहन-बेटियों का अपमान

- 1999 में पटना की बेटी **शिल्पी जैन के गैंगरेप और हत्या** में लालू के साले साधु यादव का नाम सामने आया। शव उनके सरकारी आवास से मिले, लेकिन लालू-राबड़ी सरकार ने इसे आत्महत्या बताया, सबूत मिटाए और सीबीआई जांच में अड़ंगा डाला।
- बिहार में आईएएस अधिकारियों के परिवार भी सुरक्षित नहीं थे। आरजेडी सरकार में मंत्री के बेटे ने लालू के संरक्षण में आईएएस डी. डी. बिस्वास की पत्नी **चंपा बिस्वास का दो साल तक शोषण किया**। हालात इतने बदतर थे कि 144 आईएएस अधिकारियों ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की मांग की।
- राबड़ी राज में महिलाएँ इतनी असुरक्षित थीं कि राजधानी पटना में भी **शाम 6 बजे के बाद घर से निकलना मुश्किल** था।
- जहानाबाद सांसद सुरेंद्र यादव ने संसद में **महिला आरक्षण बिल फाड़कर** आरजेडी की महिला विरोधी मानसिकता दिखा दी थी।
- 2005 में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बद से बदतर थी, बिहार की **मातृ मृत्यु दर 451 प्रति लाख थी**।

सनातन पर प्रहार

- लालू यादव ने **राम रथ यात्रा को रोककर** हिंदुओं की आस्था पर हमला किया।
- राजद नेताओं ने अयोध्या को बौद्ध स्थल बताया और **राम को काल्पनिक बताया**।
- लालू यादव ने **कुंभ मेले को 'फालतू' कहा,** हिंदू संस्कृति का अपमान किया।
- तेजस्वी यादव राम मंदिर के उद्घाटन से दूर रहे और **सनातन संस्कृति पर सवाल** उठाए।
- राजद सरकार के मंत्री चंद्रशेखर यादव ने **रामचरितमानस को 'जहर' बताया**।
- **पटना का नाम 'अजीमाबाद'** करने का प्रस्ताव रखकर बिहार की सनातनी विरासत पर हमला किया।
- 2005 तक बिहार में हिंदू त्यौहारों पर खुलकर तुष्टिकरण होता था, **दुर्गा पूजा पंडालों को परमिशन नहीं** मिलती थी।

परिवारवाद

- लालू यादव ने अपनी पत्नी **राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया**, जबकि उनके पास कोई अनुभव नहीं था।
- **तेजस्वी यादव को बिना शिक्षा और अनुभव के उपमुख्यमंत्री** बना दिया गया।
- तेजप्रताप यादव को भी मंत्री बनाया गया, जिन्होंने अपनी योग्यता कभी साबित नहीं की।
- **मीसा भारती** को सिर्फ लालू की **बेटी होने के कारण राज्यसभा सांसद** बनाया गया।
- राजद में योग्य नेताओं की जगह सिर्फ **लालू परिवार के लोगों को प्राथमिकता** दी गई।
- महागठबंधन सरकार ने **बाहुबली और भ्रष्ट नेताओं को टिकट** दिया, योग्यता की अनदेखी की।
- राजद की राजनीति बिहार के **विकास के लिए नहीं**, बल्कि **सिर्फ लालू परिवार के फायदे** के लिए की गई।

भूलेगा नहीं बिहार
जंगलराज का अत्याचार
बिहार को आरजेडी के
कुशासन से
बचाने के लिए
स्कैन करें